बाबा को नचाना है | Kapish Agarwal

मेला बाबा का आया न्योता उसने भिजवाया
कहीं बीत ना जाये ये पल हमें जाकर नाम लिखाना
सारे रस्ते धूम मचाना है बाबा को नचाना है

फागुन का महीना भीड़ मचेगी भारी
खाटू नगरी जाने की आ गई अपनी बारी
बाबा तो प्यारा सजेगा भक्तों का मन हर्षेगा
सारे रस्ते धूम मचाना है बाबा को नचाना है

छुक छुक करती रेल गाडी निकली खाटू जाने को
टोली भक्तों की चली है श्याम का दर्शन पाने को
गाडी जहाँ रुक जाए हम खूब धमाल मचाएं
सारे रस्ते धूम मचाना है बाबा को नचाना है

एक अर्चना श्याम मेरी हर बार खाटू बुला लेना
अपनी चौखट पे कपीश की हाज़री लगवा लेना
हर साल मैं दर तेरे आऊं तुझे प्यारे भजन सुनाऊँ
सारे रस्ते धूम मचाना है बाबा को नचाना है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%a8%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-kapish-agarwal/